

◆五朝诗别裁◆

清詩別裁集

上

岳麓书社



清诗别裁集

上

〔清〕沈德潜 选编
李克和等 校点

岳麓书社

责任编辑 刘 柯

封面设计 胡 颖

本书据中华书局影印清乾隆
二十五年教忠堂重订本校点
清诗别裁集(上、下)

[清]沈德潜编

李克和 等校点

岳麓书社出版发行

湖南省新华书店经销 湖南省望城湘江印刷厂印刷

1998年2月第1版第1次印刷

850×1168毫米 1/32 印张:33.25

字数:840,000 印数:1—3,000

ISBN7-80520-843-3
I·402 (上、下)定价:37.00元

如有印装质量问题 请与本社出版科调换

社址:长沙市河西新民路10号 邮编:410006

原序

国朝圣圣相承，皆文思天子。以故九州内外，均沾德教。馀事作诗人者，不啻越之罽，燕之函，秦之庐，夫人能为之也。予辑国朝诗，共得九百九十六人，诗三千九百五十二首。较之钱牧斋《列朝诗选》、朱竹垞《明诗综》，只及十之二三，于数为少。及观唐殷璠《河岳英灵集》云：自贞观及开元，共得二十二人，诗二百三十四首。高仲武《中兴间气集》云：自至德元年至大历末年，作者数千，选者二十六人。以予所辑较之，又于数为多。然而不嫌其少者，以牧斋、竹垞所选，备一代之掌故，而予惟取诗品之高也。不嫌其多者，以殷璠、高仲武只操一律以绳众人，而予唯祈合乎温柔敦厚之旨，不拘一格也。自问学殖疏浅，见闻狭隘，中间略作小传，远逊牧斋之详；略存诗话，远逊竹垞之雅。唯殷璠所云权压梁、窦终无所取者，敢窃比焉；高仲武所云苟悦权右取媚薄俗者，庶几免焉。书成，凡三十二卷，付诸剞劂，播诸艺林，或以为是而褒之，或以为非而斥之，或以为不烦褒斥而置之，一听乎当世之词人，予不得而知之矣。

乾隆二十五年仲冬日，沈德潜自题。时年八十有八。

此系增减第一次本也。初番刻本，校对欠精，错误良多，甚有评语移入他篇者，兹既一一改正。又，当代名流，搜罗未广，兹复增入诸家，以补从前阙略。稍加芟夷，不留平近，总求无戾乎风雅之旨也。重付开雕，质之艺苑。至南粤、西江翻刻，比初次刻本错字尤多，识者自能鉴诸。德潜又识。

凡例

诗之为道，不外孔子教小子教伯鱼数言，而其立言，一归于温柔敦厚，无古今一也。自陆士衡有缘情绮靡之语，后人奉以为宗，波流滔滔，去而日远矣。选中体制各殊，要惟恐失温柔敦厚之旨。

本朝御制诗，如日月经天，江河行地，千百世当奉全集为准绳，非臣子所敢选也。钱牧斋选明高帝以下诸帝诗，失尊君之体矣。兹编不敢采入三圣御诗，别于牧斋选本。

黄昆圃侍郎，多藏北方学者诗。王遵汝上舍，多藏南方学者诗。余从两处捆载而来，选中所收，几有十分之三。馀皆逐渐征取，鳞次投赠，积久成多，以供采择。然四方万国，其边徼之远，不能遍收也。挂漏实繁，不无遗憾。

国朝选本诗，或尊重名位，或藉为交游结纳，不专论诗也。陈检讨《篋衍集》，较诸本为善，然只及康熙癸丑，以下阙如。兹补癸丑后八十馀年诗，而名位、交游之念。不扰于中，此差可自信者。

是选以诗存人，不以人存诗。盖建竖功业者重功业，昌明理学者重理学，诗特其馀事也。故有功业、理学可传，而兼工韵语者，急采之。否则人已不朽，不复登其绪馀矣。观者谅之。

人必论定于身后。盖其人已为古人，则品量与学殖俱定。否则或行或藏，或醇或驳，未能遽定也。集中采取，虽前后不同，均属已往之人。

诗必原本性情关乎人伦日用及古今成败兴坏之故者，方为可存，所谓其言有物也。若一无关系，徒办浮华，又或叫号撞搪以出之，非风人之指矣。尤有甚者，动作温柔乡语，如王次回《疑雨

集》之类，最足害人心术，一概不存。

诗不能离理，然贵有理趣，不贵下理语。陶渊明“汲汲鲁中叟，弥缝使其淳”，圣人表章《六经》，二语足以尽之。杜少陵“江山如有待，花柳自无私”，天地化育万物，二语足以形之。邵康节诗，直头说尽，有何兴会？至明儒“太极圈儿大，先生帽子高”，真使人笑来也。选中近此类者，俱从芟薙。

唐诗蕴蓄，宋诗发露。蕴蓄则韵流言外，发露则意尽言中。愚未尝贬斥宋诗，而趣向旧在唐诗。故所选风调音节，俱近唐贤，从所尚也。若乐府及四言，有越唐人而窃攀六代、汉、魏者，所云“虽不能至，心向往之”。

前代臣工，为我朝从龙之佐，如钱虞山、王孟津诸公，其诗一并采入，准明代刘青田、危太朴例也。前代遗老而为石隐之流，如林茂之、杜茶村诸公，其诗概不采入，准明代倪云林、席帽山人例也。亦有前明词人，而易代以来，食毛践土既久者，诗仍采入。编诗之中，微存史意。

诗人名下，未详生平者，只载其表字、省分、郡邑与夫科目官位之有无。若传志可考，轶事可传，诗话可引，或详或略，辄缀评论，使读者得其诗品，并如遇其为人。

卷中有科目者，一以科目之先后为次。无科目者，约以辈行之先后为次。

世祖十八年，俱先科目而后词人。圣祖六十一年，若准此例，恐辈行之先后太相悬矣，故三分二十年，科目词人，相间次第之。世宗朝及今上二十五年以前，仍准世祖朝之例。

人之无名位者，一生无他嗜好，惟孳孳矻矻于五字七字之中，而忽焉徂谢，苟无人焉表而章之，人与诗归无何有之乡矣。予与同人，远近征求，志其生平，聊存发潜阐幽之意。

闺阁诗，前人诸选中，多取风云月露之词。故青楼、失行妇女，每津津道之，非所以垂教也。选本所录，罔非贤媛，有贞静博

洽，可上追班大家、韦逞母之遗风者，宜发言为诗，均可维名教伦常之大；而风格之高，又其餘事也。以尊诗品，以端壘范，谁曰不宜。

国初诗僧，有弃儒而逃入禅学者，诗自激昂顿挫，铮铮有声。其后多习口头禅说，以偈为诗，即有稍知向学者，亦只奉《弘秀集》一类为金针，于源流升降，茫然于中也。广为搜罗，共得四十四人。中有能读儒书通禅理者，格外赏之。羽士二人，附释子之后。

初刻中，邮寄篇翰，时候不齐，有银板将成，陆续远到者，科目辈行之先后，不能倒置也。因于三十二卷外，复辑补遗四卷。今俱叙入三十二卷中，并归正集矣。故卷数较少，而诗篇较多。

诗中有相沿误用者，如孤负之误辜负，李陵《答苏武书》“孤负陵心”、“陵虽孤恩”，杜诗“孤负沧洲愿”，韩诗“孤负平生志”皆是也。辜，罪也，与负不协。疑丞之误凝丞，左辅右弼，前疑后丞，疑谓有疑而问也。疑字何解？苍黄之误仓皇，《北山移文》“苍黄反覆”，杜诗“形势反苍黄”，昌黎文“值吾南逐，苍黄分散”，柳州文“数州之犬，苍黄吠噬”。宋人以后，始有仓皇。闺阁之误闾阁，史迁云“身为闾阁之臣”，《文翁传》“使传教令，出入闾阁”，注谓“内中小门也”。二字不專屬之妇人，又相臣避尊居闾，故云黄阁老，宋后改为闾。诗中唐以前宜闾，宋以后宜闾。烂漫之误烂熳，烂漫见《鲁灵光殿赋》，《说文》、《玉篇》等书并无熳字。匡襄之误劬勩，匡襄犹贊襄也。劬勩，急遽貌。《楚辞》：“逢此世之劬勩”，杜牧诗“尘土惊劬勩”，昌黎有“新师不牢，劬勩将遁”语，如何混为一。误认滥觞为末流，《家语》：孔子曰：“江始出于岷山，其源始于滥觞。”滥，泛也，觞，酒杯也，言初出微，而下流始大也。近人多以滥为烂，以觞为伤矣。清和为四月，张衡《归田赋》“仲春之月，时和气清”，谢灵运诗“首夏犹清和”，言四月犹二月，故下云“芳草亦未歇”也。后人有“四月清和雨乍晴”句，失却犹字义矣。此类不可枚举。他如委靡靡上声字，百揆揆上声字之类，无平声者，误读平声。漕字、雍字、丈人行行字、冗长长字之类，有两音者，总读平声。卫有漕邑，平声；运漕之漕，去声。雍和辟雍，平

声；雍州之雍，去声。行列之行，平声；辇行之行，去声。长短之长，平声；冗长之长，去声。朝请之请，非上声，宜读去声。《汉律》“春朝曰朝，秋曰请”，同观音。宁馨之宁，非平声，宜读去声。张谓诗：“家无阿堵物，门有宁馨儿。”东坡诗：“空使奸雄笑宁馨。”亦不可枚举。集中一一校正。恐外间溺于俗本，转以为讹，故一论列之。

是集创始于乾隆乙丑，至戊寅岁告成镌刻，今岁庚辰，又复增删镂版，共经十六寒暑矣。然鲜见寡闻，虽殚苦心，只抽孤绪，恐无当于大雅之林也。四方学者，有谅予之愚，竅启未逮，所深望焉。

目 录

原序…………… (1)

凡例…………… (2)

卷一

钱谦益 三十二首 …… (1)

王 铎 一首 …… (8)

方拱乾 十四首 …… (8)

张文光 七首 …… (11)

吴伟业 二十八首 …… (12)

龚鼎孳 二十四首 …… (22)

卷二

曹 溶 十首 …… (28)

许承钦 一首 …… (30)

陈之遴 一首 …… (30)

周亮工 五首 …… (31)

赵进美 七首 …… (32)

彭而述 五首 …… (33)

孙廷铨 二首 …… (35)

李 雯 三首 …… (35)

高 珩 六首 …… (36)

宋之绳 四首 …… (37)

梁清标 十首 …… (38)

王崇简 四首 …… (40)

李 滢 三首 …… (41)

杨思圣 五首 …… (42)

魏裔介 三首 …… (43)

魏象枢 二首 …… (44)

赵 宾 四首 …… (44)

李 霁 五首 …… (45)

王紫绶 三首 …… (46)

冯 溥 一首 …… (47)

宋 琬 二十六首 …… (48)

蒋 超 二首 …… (54)

王 熙 一首 …… (55)

宋徵舆 五首 …… (55)

邓 旭 二首 …… (56)

季振宜 一首 …… (57)

李 敬 二首 …… (57)

缪慧远 五首 …… (57)

曹垂爨 一首 …… (59)

沈永令 六首 …… (59)

卷三

施闰章 三十二首 …… (61)

季开生 二首 …… (68)

董文骥 五首 …… (69)

王广心 七首 …… (70)

王 庭 四首 …… (72)

| | | |
|-----|-----|------|
| 周体观 | 四首 | (73) |
| 卢 纮 | 一首 | (74) |
| 周茂源 | 五首 | (74) |
| 许纘曾 | 二首 | (75) |
| 沈 荃 | 三首 | (77) |
| 汤 斌 | 六首 | (78) |
| 程可则 | 十二首 | (79) |
| 曹尔堪 | 五首 | (82) |
| 顾大申 | 八首 | (83) |
| 王士禄 | 十三首 | (85) |
| 金渐皋 | 五首 | (88) |
| 李来泰 | 三首 | (90) |
| 黎士弘 | 一首 | (90) |

卷四

| | | |
|-----|------|-------|
| 王士禛 | 四十七首 | (92) |
| 冯云骧 | 二首 | (103) |
| 丘象升 | 二首 | (103) |
| 严 沆 | 五首 | (104) |
| 汪 琬 | 十六首 | (105) |
| 曹申吉 | 三首 | (109) |
| 刘体仁 | 三首 | (109) |
| 秦松龄 | 十一首 | (110) |
| 闵 叙 | 二首 | (113) |
| 王 揆 | 四首 | (113) |
| 丁 澎 | 十七首 | (114) |
| 王日藻 | 一首 | (118) |
| 董 含 | 二首 | (118) |
| 彭 襄 | 一首 | (119) |

| | | |
|-----|----|-------|
| 沈自南 | 二首 | (119) |
| 王泽弘 | 五首 | (120) |
| 陆鸣珂 | 一首 | (121) |
| 方兆及 | 二首 | (121) |

卷五

| | | |
|-----|-----|-------|
| 钱陆燦 | 一首 | (123) |
| 计 东 | 五首 | (123) |
| 吴兆騫 | 十六首 | (125) |
| 孙 暘 | 七首 | (129) |
| 田茂遇 | 二首 | (131) |
| 曾 晫 | 四首 | (131) |
| 章在兹 | 三首 | (132) |
| 陈廷敬 | 十五首 | (133) |
| 邹祗谟 | 二首 | (139) |
| 高 倬 | 三首 | (139) |
| 李念兹 | 四首 | (140) |
| 徐文烜 | 一首 | (141) |
| 张一鹤 | 二首 | (141) |
| 李天馥 | 四首 | (141) |
| 孙一致 | 一首 | (143) |
| 钱中谐 | 二首 | (143) |
| 许 虬 | 十首 | (143) |
| 王又旦 | 九首 | (145) |
| 祁文友 | 一首 | (147) |
| 严允肇 | 十二首 | (148) |
| 顾 岱 | 一首 | (151) |

卷六

| | | |
|-----|----|-------|
| 徐元文 | 二首 | (153) |
|-----|----|-------|

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 叶方藹 | 五首 | …… | (153) |
| 彭孙遹 | 八首 | …… | (156) |
| 黄与坚 | 五首 | …… | (158) |
| 郑日奎 | 一首 | …… | (159) |
| 田雯 | 九首 | …… | (159) |
| 董俞 | 四首 | …… | (162) |
| 宋实颖 | 一首 | …… | (163) |
| 曹贞吉 | 三首 | …… | (164) |
| 崔华 | 二首 | …… | (164) |
| 赵灃 | 一首 | …… | (165) |
| 马世俊 | 三首 | …… | (165) |
| 张玉书 | 八首 | …… | (166) |
| 叶映榴 | 二首 | …… | (168) |
| 孙蕙 | 七首 | …… | (168) |
| 吴光 | 五首 | …… | (170) |
| 王维坤 | 二首 | …… | (172) |
| 徐延寿 | 三首 | …… | (172) |
| 褚篆 | 一首 | …… | (173) |
| 赵士喆 | 一首 | …… | (173) |
| 毛如瑜 | 一首 | …… | (174) |
| 刘献廷 | 十八首 | …… | (174) |
| 喻指 | 一首 | …… | (178) |
| 徐振芳 | 一首 | …… | (178) |
| 张杉 | 一首 | …… | (178) |
| 沈道映 | 六首 | …… | (179) |
| 陆元辅 | 三首 | …… | (180) |
| 陆宗澐 | 一首 | …… | (181) |
| 余思复 | 一首 | …… | (181) |

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 侯方域 | 一首 | …… | (181) |
| 冒襄 | 二首 | …… | (182) |
| 陆元泓 | 一首 | …… | (182) |
| 徐波 | 一首 | …… | (183) |
| 金人瑞 | 一首 | …… | (183) |
| 侯涵 | 一首 | …… | (183) |
| 刘逢源 | 二首 | …… | (183) |
| 吴兆宽 | 一首 | …… | (184) |
| 闵麟嗣 | 二首 | …… | (184) |
| 吴嘉纪 | 十九首 | …… | (185) |

卷七

| | | | |
|-----|----|----|-------|
| 沈磐 | 八首 | …… | (190) |
| 蒋平阶 | 三首 | …… | (191) |
| 李邺嗣 | 五首 | …… | (192) |
| 彭孙贻 | 一首 | …… | (194) |
| 王猷定 | 一首 | …… | (194) |
| 黄虞稷 | 一首 | …… | (194) |
| 许友 | 二首 | …… | (195) |
| 戴本孝 | 七首 | …… | (195) |
| 戴移孝 | 六首 | …… | (197) |
| 曾传燦 | 二首 | …… | (198) |
| 萧诗 | 一首 | …… | (199) |
| 赵潜 | 二首 | …… | (199) |
| 毛会建 | 一首 | …… | (200) |
| 董以宁 | 五首 | …… | (200) |
| 陈子升 | 一首 | …… | (201) |
| 何嘉延 | 一首 | …… | (202) |
| 张可度 | 一首 | …… | (202) |

| | | |
|-----|-----|-------|
| 沈钦圻 | 十四首 | (202) |
| 梁逸 | 二首 | (206) |
| 阮旻锡 | 三首 | (206) |
| 陶澂 | 十一首 | (207) |
| 赵与楸 | 一首 | (210) |
| 董閤 | 一首 | (210) |
| 郁植 | 十五首 | (211) |
| 王概 | 一首 | (214) |
| 徐柯 | 二首 | (214) |
| 文点 | 三首 | (215) |
| 陈珏 | 一首 | (215) |
| 陆进 | 一首 | (216) |
| 朱尔迈 | 二首 | (216) |
| 韩纯玉 | 三首 | (216) |
| 魏际瑞 | 三首 | (218) |
| 王遵坦 | 二首 | (218) |
| 胡介 | 四首 | (219) |
| 朱徽 | 一首 | (220) |
| 舒忠诰 | 一首 | (220) |

卷八

| | | |
|-----|-----|-------|
| 屈绍隆 | 十五首 | (221) |
| 陈恭尹 | 十二首 | (224) |
| 董道权 | 二首 | (227) |
| 任元祥 | 二首 | (228) |
| 侯开国 | 一首 | (229) |
| 周在濬 | 一首 | (229) |
| 柳文 | 一首 | (230) |
| 夏熙臣 | 一首 | (230) |

| | | |
|-----|-----|-------|
| 蒋洸 | 一首 | (230) |
| 吴炎 | 一首 | (230) |
| 吴祖命 | 一首 | (231) |
| 姚文焱 | 一首 | (231) |
| 吴绮 | 六首 | (231) |
| 黄云 | 四首 | (232) |
| 宗元鼎 | 六首 | (233) |
| 潘高 | 十一首 | (235) |
| 恽日初 | 一首 | (237) |
| 方膏茂 | 一首 | (238) |
| 张宸 | 二首 | (238) |
| 汪志道 | 一首 | (238) |
| 路鹤徵 | 一首 | (239) |
| 王懋忠 | 二首 | (239) |
| 范超 | 一首 | (239) |
| 柴绍炳 | 二首 | (240) |
| 沈谦 | 五首 | (240) |
| 虞黄昊 | 一首 | (241) |
| 陆圻 | 四首 | (242) |
| 毛先舒 | 二首 | (243) |
| 张丹 | 四首 | (243) |
| 陆嘉淑 | 一首 | (244) |
| 郭襄图 | 一首 | (245) |
| 顾万祺 | 一首 | (245) |
| 卢元昌 | 八首 | (245) |
| 胡渭生 | 一首 | (247) |
| 吴旻 | 二首 | (247) |
| 谭吉瑄 | 一首 | (247) |

| | | | |
|-----|----|----|-------|
| 朱克生 | 二首 | …… | (248) |
| 俞南史 | 一首 | …… | (248) |
| 黄九河 | 一首 | …… | (249) |
| 王孙晋 | 一首 | …… | (249) |
| 韩 甯 | 三首 | …… | (249) |
| 王邦畿 | 二首 | …… | (250) |
| 梅 磊 | 一首 | …… | (250) |
| 钱 曾 | 三首 | …… | (251) |
| 吴物荣 | 一首 | …… | (251) |
| 卓尔堪 | 一首 | …… | (252) |

卷九

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 黄 垵 | 二首 | …… | (253) |
| 严我斯 | 四首 | …… | (253) |
| 周 弘 | 三首 | …… | (255) |
| 张 英 | 七首 | …… | (255) |
| 曹 禾 | 二首 | …… | (257) |
| 劳之辨 | 一首 | …… | (258) |
| 赵士麟 | 二首 | …… | (258) |
| 盛符升 | 八首 | …… | (259) |
| 刘梁嵩 | 一首 | …… | (261) |
| 方殿元 | 十二首 | …… | (261) |
| 吴元龙 | 二首 | …… | (264) |
| 钱芳标 | 三首 | …… | (264) |
| 缪 彤 | 六首 | …… | (266) |
| 张玉裁 | 二首 | …… | (267) |
| 董 讷 | 一首 | …… | (267) |
| 魏麴徵 | 七首 | …… | (267) |
| 汪懋麟 | 四首 | …… | (269) |

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 颜光敏 | 十首 | …… | (271) |
| 乔 莱 | 五首 | …… | (274) |
| 方象瑛 | 三首 | …… | (275) |
| 陈玉璫 | 四首 | …… | (276) |
| 傅昂霄 | 三首 | …… | (277) |
| 徐乾学 | 十四首 | …… | (278) |
| 张鹏翻 | 一首 | …… | (280) |
| 王 掞 | 二首 | …… | (281) |
| 王士祜 | 二首 | …… | (281) |
| 孟亮揆 | 二首 | …… | (282) |
| 李振裕 | 一首 | …… | (282) |
| 赵申乔 | 一首 | …… | (283) |
| 许孙荃 | 六首 | …… | (284) |

卷十

| | | | |
|-----|------|----|-------|
| 叶 燮 | 二十一首 | …… | (286) |
| 卢道悦 | 四首 | …… | (290) |
| 顾贞观 | 七首 | …… | (291) |
| 韩 荃 | 十六首 | …… | (293) |
| 王鸿绪 | 七首 | …… | (296) |
| 徐 倬 | 十六首 | …… | (297) |
| 李基和 | 四首 | …… | (300) |
| 徐元梦 | 四首 | …… | (301) |
| 成 德 | 六首 | …… | (302) |
| 邵 瑛 | 四首 | …… | (303) |
| 彭定求 | 五首 | …… | (304) |
| 胡会恩 | 十二首 | …… | (305) |
| 翁叔元 | 四首 | …… | (308) |
| 陈锡嘏 | 二首 | …… | (309) |

| | | | |
|-----|----|----|-------|
| 王頊龄 | 四首 | …… | (309) |
| 张榕端 | 一首 | …… | (310) |
| 王吉武 | 八首 | …… | (311) |
| 高层云 | 四首 | …… | (313) |
| 叶舒崇 | 四首 | …… | (314) |
| 许承家 | 一首 | …… | (315) |
| 汪霖 | 二首 | …… | (316) |

卷十一

| | | | |
|-----|------|----|-------|
| 毛奇龄 | 十六首 | …… | (317) |
| 李因笃 | 十六首 | …… | (321) |
| 尤侗 | 二十五首 | …… | (325) |
| 陈维崧 | 十七首 | …… | (332) |
| 严绳孙 | 四首 | …… | (338) |
| 庞垲 | 一首 | …… | (339) |
| 汪楫 | 九首 | …… | (339) |

卷十二

| | | | |
|-----|------|----|-------|
| 朱彝尊 | 十八首 | …… | (342) |
| 潘耒 | 二十六首 | …… | (348) |
| 徐钊 | 五首 | …… | (357) |
| 李澄中 | 五首 | …… | (358) |
| 徐嘉炎 | 一首 | …… | (359) |
| 陆莱 | 二首 | …… | (360) |
| 丘象随 | 二首 | …… | (360) |
| 钱金甫 | 一首 | …… | (360) |
| 倪粲 | 一首 | …… | (361) |
| 袁佑 | 二首 | …… | (361) |
| 高咏 | 五首 | …… | (361) |
| 范必英 | 二首 | …… | (363) |

| | | | |
|-----|----|----|-------|
| 冯 勗 | 二首 | …… | (363) |
| 王 昊 | 七首 | …… | (364) |
| 邓汉仪 | 六首 | …… | (365) |
| 孙枝蔚 | 七首 | …… | (367) |
| 傅 山 | 一首 | …… | (368) |
| 盛 枫 | 四首 | …… | (369) |
| 陈王猷 | 一首 | …… | (369) |

卷十三

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 赵执信 | 十五首 | …… | (371) |
| 李孚青 | 四首 | …… | (375) |
| 王材任 | 五首 | …… | (376) |
| 沈朝初 | 四首 | …… | (377) |
| 梅 庚 | 二首 | …… | (378) |
| 彭宁求 | 二首 | …… | (378) |
| 金德嘉 | 一首 | …… | (379) |
| 许汝霖 | 三首 | …… | (379) |
| 史 夔 | 十六首 | …… | (380) |
| 冯廷樾 | 七首 | …… | (384) |
| 周金然 | 四首 | …… | (386) |
| 王九龄 | 三首 | …… | (387) |
| 尤 珍 | 八首 | …… | (388) |
| 吴 苑 | 四首 | …… | (390) |
| 宋 萃 | 十首 | …… | (391) |
| 高士奇 | 三首 | …… | (394) |
| 吴兴祚 | 二首 | …… | (395) |
| 谢重辉 | 七首 | …… | (396) |
| 孔传铎 | 三首 | …… | (397) |
| 孔尚任 | 二首 | …… | (398) |

| | | | |
|------------|----|-------|-------|
| 丁 炜 | 三首 | | (399) |
| 吴秉谦 | 一首 | | (399) |
| 孙元恒 | 一首 | | (399) |
| 江 闾 | 二首 | | (400) |
| 戴 梓 | 三首 | | (400) |
| 孙宝侗 | 一首 | | (401) |
| 卷十四 | | | |
| 周 笈 | 三首 | | (402) |
| 俞 珣 | 一首 | | (403) |
| 顾有孝 | 一首 | | (404) |
| 顾 樵 | 一首 | | (404) |
| 周 肇 | 二首 | | (404) |
| 顾 涓 | 二首 | | (405) |
| 许 旭 | 三首 | | (406) |
| 王 撰 | 二首 | | (406) |
| 王 抃 | 二首 | | (407) |
| 王 摅 | 九首 | | (407) |
| 王曜升 | 二首 | | (410) |
| 王曾斌 | 一首 | | (410) |
| 袁启旭 | 一首 | | (410) |
| 李良年 | 五首 | | (411) |
| 黄 始 | 一首 | | (412) |
| 叶世佺 | 一首 | | (412) |
| 恽 格 | 七首 | | (413) |
| 佟世临 | 一首 | | (414) |
| 陈维岳 | 一首 | | (415) |
| 钟映渊 | 一首 | | (415) |
| 马世杰 | 一首 | | (415) |

| | | | |
|-----|------|-------|-------|
| 金 侃 | 二首 | | (416) |
| 徐 夜 | 七首 | | (416) |
| 丁耀亢 | 三首 | | (418) |
| 张实居 | 十三首 | | (418) |
| 张笃庆 | 二十四首 | | (421) |
| 钱柏龄 | 一首 | | (426) |
| 吴 麀 | 九首 | | (427) |
| 吴 雯 | 十九首 | | (428) |
| 冯 樾 | 一首 | | (432) |
| 杨 岱 | 二首 | | (432) |
| 刘淑颐 | 五首 | | (433) |

卷十五

| | | | |
|-----|------|-------|-------|
| 邵长蘅 | 二十二首 | | (435) |
| 张 宫 | 二首 | | (441) |
| 陆次云 | 十五首 | | (442) |
| 章静宜 | 六首 | | (445) |
| 顾景星 | 一首 | | (447) |
| 汪徵远 | 三首 | | (447) |
| 汪洪度 | 八首 | | (448) |
| 汪洋度 | 二首 | | (450) |
| 彭始奋 | 二首 | | (450) |
| 陶 庠 | 六首 | | (451) |
| 查 容 | 二首 | | (452) |
| 潘 鏐 | 三首 | | (453) |
| 彭 桂 | 九首 | | (453) |
| 彭 极 | 一首 | | (456) |
| 吴之振 | 一首 | | (456) |
| 李 载 | 一首 | | (457) |

| | | | |
|-----|-----|-------|-------|
| 崔岱齐 | 二首 | ····· | (457) |
| 庞 鸣 | 一首 | ····· | (457) |
| 周稚廉 | 一首 | ····· | (458) |
| 洪 升 | 十二首 | ····· | (458) |
| 毛师柱 | 七首 | ····· | (460) |
| 无名氏 | 二首 | ····· | (462) |

卷十六

| | | | |
|-----|-----|-------|-------|
| 陈学洙 | 十六首 | ····· | (463) |
| 李国宋 | 三首 | ····· | (466) |
| 李 馥 | 一首 | ····· | (467) |
| 史骐生 | 一首 | ····· | (467) |
| 蓝启肃 | 一首 | ····· | (467) |
| 马之鹏 | 二首 | ····· | (468) |
| 徐元正 | 一首 | ····· | (468) |
| 汪 灏 | 二首 | ····· | (469) |
| 施何牧 | 五首 | ····· | (469) |
| 黄 庭 | 五首 | ····· | (470) |
| 梁佩兰 | 八首 | ····· | (471) |
| 汤右曾 | 十三首 | ····· | (475) |
| 唐孙华 | 十首 | ····· | (478) |
| 田从典 | 一首 | ····· | (483) |
| 赵 俞 | 十四首 | ····· | (484) |
| 陶元淳 | 四首 | ····· | (487) |
| 史申义 | 六首 | ····· | (488) |
| 吴 暲 | 八首 | ····· | (489) |
| 徐 宾 | 一首 | ····· | (490) |
| 董思凝 | 二首 | ····· | (491) |
| 石为崧 | 一首 | ····· | (491) |

卷十七

| | | | |
|-----|-----|-------|-------|
| 孙致弥 | 十一首 | ····· | (493) |
| 张尚璩 | 七首 | ····· | (495) |
| 查 升 | 四首 | ····· | (498) |
| 陈大章 | 八首 | ····· | (499) |
| 陆 寅 | 六首 | ····· | (501) |
| 沈名荪 | 四首 | ····· | (503) |
| 惠周惕 | 十三首 | ····· | (504) |
| 杨中讷 | 一首 | ····· | (507) |
| 陈鹏年 | 十首 | ····· | (507) |
| 黄叔琳 | 二首 | ····· | (509) |
| 高孝本 | 六首 | ····· | (510) |
| 姚弘绪 | 一首 | ····· | (511) |
| 程文正 | 二首 | ····· | (512) |
| 姚士陞 | 三首 | ····· | (512) |
| 顾图河 | 六首 | ····· | (513) |
| 吕履恒 | 十八首 | ····· | (514) |
| 陈 璋 | 十二首 | ····· | (519) |
| 张逸少 | 六首 | ····· | (521) |

卷十八

| | | | |
|-----|-----|-------|-------|
| 高其倬 | 十二首 | ····· | (523) |
| 佟法海 | 四首 | ····· | (527) |
| 周起渭 | 四首 | ····· | (528) |
| 焦袁熹 | 四首 | ····· | (530) |
| 谢方琦 | 四首 | ····· | (531) |
| 何 梅 | 二首 | ····· | (532) |
| 沈 育 | 四首 | ····· | (532) |
| 王 焜 | 四首 | ····· | (533) |

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 许 遂 | 一首 | …… | (534) |
| 李永祺 | 一首 | …… | (534) |
| 周士彬 | 三首 | …… | (534) |
| 严虞惇 | 三首 | …… | (535) |
| 姜宸英 | 四首 | …… | (536) |
| 汪士鋐 | 二首 | …… | (537) |
| 徐 发 | 二首 | …… | (538) |
| 陈 棻 | 七首 | …… | (539) |
| 宋聚业 | 三首 | …… | (540) |
| 鄂尔泰 | 十一首 | …… | (541) |
| 张 远 | 九首 | …… | (544) |
| 魏 坤 | 五首 | …… | (546) |
| 沈天宝 | 一首 | …… | (548) |
| 汪 绎 | 十二首 | …… | (548) |
| 张廷玉 | 五首 | …… | (551) |

卷十九

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 杨汝毅 | 四首 | …… | (553) |
| 陆 师 | 九首 | …… | (554) |
| 许迎年 | 三首 | …… | (556) |
| 杨守知 | 一首 | …… | (556) |
| 徐昂发 | 十五首 | …… | (557) |
| 查嗣璫 | 二首 | …… | (561) |
| 徐永宣 | 七首 | …… | (562) |
| 蔡 堡 | 二首 | …… | (563) |
| 陈沂震 | 五首 | …… | (564) |
| 许 湄 | 二首 | …… | (565) |
| 费洪学 | 一首 | …… | (566) |
| 刘师恕 | 二首 | …… | (566) |

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 秦文超 | 一首 | …… | (566) |
| 黄 任 | 五首 | …… | (567) |
| 陈睿思 | 三首 | …… | (568) |
| 王式丹 | 六首 | …… | (569) |
| 钱名世 | 二首 | …… | (571) |
| 刘 岩 | 十一首 | …… | (572) |
| 蒋廷锡 | 七首 | …… | (575) |
| 张自超 | 四首 | …… | (577) |
| 何 焯 | 一首 | …… | (578) |
| 吴廷桢 | 七首 | …… | (578) |
| 吴瞻淇 | 二首 | …… | (581) |
| 章藻功 | 一首 | …… | (581) |

卷二十

| | | | |
|-----|-----|----|-------|
| 查慎行 | 十九首 | …… | (582) |
| 陈至言 | 七首 | …… | (588) |
| 岳 端 | 二首 | …… | (589) |
| 博尔都 | 二首 | …… | (590) |
| 喻成龙 | 一首 | …… | (590) |
| 曹 寅 | 二首 | …… | (591) |
| 揆 叙 | 一首 | …… | (591) |
| 钮 琇 | 七首 | …… | (592) |
| 于养志 | 一首 | …… | (593) |
| 管 抡 | 二首 | …… | (594) |
| 陶孚尹 | 四首 | …… | (594) |
| 张养重 | 三首 | …… | (595) |
| 陈学泗 | 五首 | …… | (596) |
| 沈受宏 | 十五首 | …… | (597) |
| 陆 韜 | 一首 | …… | (600) |